मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 251 ■ रविवार, 29 दिसंबर 2024 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
/ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

राजामौली की फिल्म से कमबैक करेंगी प्रियंका चोपड़ा

संक्षेप...

खस्ता सड़कों पर मनसे कार्यकर्ता व ठेकेदार भिड़े

■ पूर्व नगरसेवक टोनी सीरवानी ने की थी शिकायत

उल्हासनगर. पूर्व नगरसेवक टोनी सीरवानी ने उल्हासनगर कैंप नंबर 3 के ओटी सेक्शन रोड पर खराब गुणवत्ता वाले डांबरीकरण की शिकायत की थी, इसके बाद मनसे कार्यकर्ता आज ओटी चौक पर आए और संबंधित ठेकेदार को खराब कार्य करते पकड़ लिया ठेकेदार केशु चंदनानी और मनसे कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। शहर में पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया, लेकिन स्थानीय राजनीतिक नेताओं के इशारे पर फिर से जल्दबाजी में डांबरीकरण किया गया है। ज्ञात हो कि इसी ठेकेदार को हर वर्ष सड़क मरम्मत क कार्य दिया जाता है। जो दो माह में ही उखड़ जाता है लेकिन फिर भी मनपा ऐसे ठेकेदारों पर मेहरबान है जो शहर का सत्यानाश किए हुए हैं।

कल्याण-तलोजा मेट्रो का काम 3 साल में होगा पूरा

■ ग्रामीण इलाकों को भी जोड़ेंगे स्टेशन

उल्हासनगर. मुंबई और उपनगरों में मेट्रो का जाल फैल रहा है. शहरों में मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है। मेट्रो न केवल यात्रा का समय बचाती है बल्कि ईंधन भी बचाती है। एमएमआरडीए ने अब ऑरेंज मेट्रो लाइन 12 का काम अपने हाथ में ले लिया है। इस मेट्रो का काम 31 दिसंबर, 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है और कल्याण और तलोजा नाम के दो शहर जुड़ जाएंगे। कुल 23,756 किलोमीटर का कॉरिडोर होगा.

एमएमआरडीए ने ठेकेदारों को नियुक्त किया है। इस मेट्रो प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है. मुंबई मेट्रो लाइन 12 पर दो इंटरचेंज होंगे। एक मुंबई मेट्रो लाइन 5 पर कल्याण एपीएमसी से और दूसरा नवी मुंबई मेट्रो लाइन 1 पर अमन दूत (तलोजा) से जुड़ेगा। यह मेट्रो कल्याण-डोंबिवली से नवी मुंबई तक का सफर महज 45 मिनट में पूरा करेगी. मुंबई-ठाणे-भिवंडी-कल्याण-डोंबिवली-नवी मुंबई सर्कुलर मेट्रो रूट का निर्माण किया जाएगा और यात्री बेहद किफायती दरों पर कम से कम समय में आरामदायक और आसानी से यात्रा कर सकेंगे।

ये होंगे स्टेशन

कल्याण तलोजा (मेट्रो 12) के अंतर्गत कल्याण, कल्याण एपीएमसी, गणेश नगर, पिसवली गांव, गोलवली, डोंबिवली एमआईडीसी, सागांव, सोनारपाड़ा, मानपाड़ा, हेडुटने और कोलेगांव, निलजे गांव, वडवली (खुर्द), बाले, वाकलान, तुर्भे, पिसार्वे डिपो, पिसार्वे और तलोजा स्टेशन शामिल होंगे।

उल्हासनगर मेट्रो की तत्काल विस्तृत योजना रिपोर्ट बनाई जाए

विधायक कुमार आयलानी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पत्र देकर यह मांग की है कि उल्हासनगर तक मेट्रो ट्रेन के विकास की विस्तृत योजना रिपोर्ट को जल्द से जल्द तैयार किया जाए उन्होंने यह मांग की है कि अधिकारियों को इसके लिए वह निर्देशित करें जिससे उल्हासनगर में भी मेट्रो ट्रेन के मार्ग का काम शुरू हो सके और शहर की जनता जल्द ही मेट्रो ट्रेन का लाभ उठा सके।

मेट्रो लाइन के निर्माण से कल्याण-डोंबिवली, ठाणे, नवी मुंबई और पनवेल के नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी.

निलेज गांव में बनेगा डिपो

एक अधिकारी के मुताबिक, डिपो का निर्माण निलजे गांव में किया जा रहा है, जो वडवली स्टेशन से जुड़ा है। ताकि यहां बड़ी मरम्मत, छोटी मरम्मत, भारी उपकरणों का प्रतिस्थापन और परीक्षण किए जा सकें। यह डिपो 30 .12 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थापित किया जाएगा। इसमें छह-कार वाली ट्रेनों के 24 रेक के लिए 12 स्टेबलिंग लाइनें, तीन निरीक्षण/रखरखाव लाइनें, भविष्य के लिए नियोजित 3 अतिरिक्त लाइनें और चार वर्कशॉप लाइनें शामिल होंगी। एमएमआरडीए ने डिपो और संबंधित कार्यों के लिए 57 हेक्टेयर सरकारी भूमि का अधिग्रहण किया है।

5 घंटे तक अंधेरे में रहा सेंट्रल अस्पताल

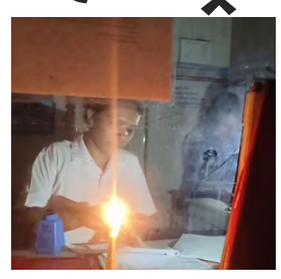

■ मोमबत्तियों के प्रकाश में मरीजों का इलाज

उल्हासनगर. जिला अस्पताल का दर्जा प्राप्त उल्हासनगर का केंद्रीय सरकारी अस्पताल पिछले 5 घंटों से अंधेरे में है। एक ओर जहां महावितरण के बंद होने और अस्पताल में जनरेटर की मरम्मत के कारण डॉक्टरों को मोमबत्ती की रोशनी में मरीजों का इलाज करने का समय मिल गया है.

महावितरण द्वारा शुक्रवार को शटडाउन लिया जाता है, इस कारण पहले भी अस्पताल में अंधेरा होने की घटनाएं हो चुकी हैं. उस वक्त अस्पताल में जेनरेटर की मरम्मत का काम भी शुरू होने से रोशन अस्पताल में अंधेरा छा गया था. चार माह पहले भी अस्पताल में दो दिनों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही थी, तब भी मरीजों की यही स्थिति थी. जिला अस्पताल में बार-बार बिजली गुल होने से इसके खिलाफ ठोस कदम उठाने की मांग जोर पकड़ रही है।

इस संबंध में जिला शल्य चिकित्सक डॉ. पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर, मनोहर बनसोडे ने कहा कि कुछ जनरेटर बंद होने और मरम्मत कार्य के कारण अस्पताल के कुछ हिस्से अंधेरे में थे। लेकिन महत्वपूर्ण वार्डों में जेनरेटर कम होने के कारण काम रोशनी में किया गया. डॉ. बंसोडे ने बताया कि यदि आपातकालीन ऑपरेशन का समय आएगा तो मरीज को कैंप नंबर 4 स्थित सरकारी अस्पताल में ले जाकर ऑपरेशन के लिए तैयार किया जाएगा।

आशेले गांव में युवक पर हमला

■ युवक गंभीर रूप से घायल

■ आरोपियों की तलाश शुरू

उल्हासनगर. उल्हासनगर 4 स्थित आशेला गांव गणपति मंदिर में रहने वाले ऋषिकेष जयगडकर की चार-पांच लोगों के गिरोह ने मिलकर हमला कर दिया। जिसमें रिषिकेश गंभीर रूप से घायल हो गये.

ऋषिकेष के परिजनों का कहना है कि हमला पुराने विवाद के चलते किया गया है। ऋषिकेष के परिवार ने विट्ठलवाडी पुलिस थाने में शिकायत की कि ऋषिकेष और आरोपियों के बीच विवाद हो गया था, जिसके बाद सन्नी चान्या और उसके दो अन्य साथी चेहरे पर रुमाल बांध कर रिषिकेश को मारने के लिए उसके घर में घुस गए, लेकिन उस वक्त उन्हें रिषिकेश नहीं मिला. उसके अगले ही दिन देर रात को ऋषिकेश जैसे ही मिला उस पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसे उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया। आगे की जांच पुलिस कर रही है।

दोस्त ने पिलाई शराब और रिक्शा चालक ने किया दुष्कर्म

बदलापुर. बदलापुर में एक 19 साल की लड़की के साथ रिक्शा चालक ने यौन उत्पीड़न किया. चौंकाने वाली बात यह है कि इस अपराध में पीड़ित की प्रेमिका ने ही आरोपी की मदद की थी। पुलिस ने आरोपी रिक्शा चालक और पीड़िता के दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक किरण बालवाडकर के मुताबिक, पीड़िता मुंबई की रहने वाली है और 21 दिसंबर को अपने दोस्त से मिलने बदलापुर आई थी. इसी दौरान बदलापुर की सहेली ने अपने रिक्शा चालक दोस्त दत्ता जाधव को अपने साथ बुलाया और उसके बाद तीनों ने शराब पी।

शराब पीने के बाद पीड़िता की बेहोशी का फायदा उठाकर रिक्शा चालक दत्ता जाधव ने उसके साथ दुष्कर्म किया. इस कृत्य में पीड़िता की सहेली ने भी उसका साथ दिया. पीड़िता को होश आने के बाद इस घटना का ध्यान आया.

इस मामले में 23 दिसंबर को बदलापुर ईस्ट पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और महज 12 घंटे में हत्यारे रिक्शा चालक दत्ता जाधव को खरवई इलाके से गिरफ्तार कर लिया.

आरोपी को कोठरी से हिरासत में ले लिया गया

जब पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने गई तब तक आरोपी पुलिस के डर से अपनी बहन के घर की लोहे की अलमारी में छिप गया था। लेकिन पुलिस ने उसे तुरंत ढूंढ लिया और गिरफ्तार किया.

सेवानिवृत्त अधिकारी की हत्या की गुत्थी सुलझी

■ रिश्तेदारों ने ही की थी हत्या

कल्याण. पिछले अगस्त में कल्याण-मुरबाड रोड पर वरप गांव के पास कूड़े के ढेर में एक बैग में एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिला था. टिटवाला पुलिस के साथ ठाणे ग्रामीण अपराध शाखा की एक टीम मामले की जांच कर रही थी। इस जांच में ठाणे ग्रामीण क्राइम ब्रांच की टीम को चार महीने बाद इस हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में सफलता मिली है. ठाणे ग्रामीण अपराध शाखा की जांच में पता चला है कि मारे गए बुजुर्ग के रिश्तेदार ने ही सेवानिवृत्त मर्चेंट नेवी अधिकारी की हत्या की है।

मारे गए मर्चेंट नेवी ऑफिसर की पहचान मुकेश श्यामसुंदर कुमार (62) के रूप में हुई है। वह कल्याण के खड़कपाड़ा इलाके में रहता था. पुलिस जांच में पता चला कि अजय कुमार रघुनंदन मिश्रा (54) और उनके 17 वर्षीय बेटे ने हत्या की है। पुलिस ने अजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया है. उनके नाबालिग बेटे को भिवंडी के बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

15 अगस्त 2024 को वरप गांव की सीमा में कूड़े के ढेर में एक नया बैग (सूटकेस) मिला था। वहां लघुशंका के लिए गए एक राहगीर ने बैग देखा. उन्होंने बैग खोला तो उसमें शरीर के टुकड़े मिले। टिटवाला पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुरेश मनोरे के मार्गदर्शन में टीम ने इस अपराध के लिए कल्याण-मुरबाड रोड पर 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की। पुलिस को जानकारी मिली कि मृतक का चचेरा भाई अजय कुमार मिश्रा वरप गांव में रहता है. पुलिस ने उससे पूछताछ की.

संपत्ति हड़पने का इरादा

अजय कुमार से पूछताछ में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। 11 अगस्त को अजय कुमार ने मुकेश कुमार को बहाने से वरप के घर बुलाया. उन्होंने उसे जहर देकर उसके घर में ही मार डाला। उसके शव को बैग में भरकर वरप के पास कूड़े के ढेर पर फेंक दिया गया. मुकेश के बच्चे विदेश में हैं. पुलिस को शक है कि अजय कुमार ने उसकी संपत्ति हड़पने के इरादे से ऐसा किया है.

नए साल से पूर्व उल्हासनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

■ 11 नशे के सौदागर गिरफ्तार

■ जनवरी तक कार्रवाई जारी रहेगी

उल्हासनगर. नए साल के मद्देनजर उल्हासनगर में पुलिस उपायुक्त और सहायक पुलिस आयुक्त खुद एक्शन मोड में आ गए हैं. पुलिस अधिकारियों ने जोन 4 में नशीली दवाओं की बिक्री वाले स्थानों पर छापेमारी की और नशीली दवाओं के स्टॉक को जब्त कर लिया। वहीं, पुलिस ने कुल 11 लोगों को हिरासत में लिया है जो इस कारोबार में लिप्त थे। नये साल के जश्न से पूर्व उल्हासनगर जोन चार क्षेत्र में नशीली दवाओं की बिक्री होने की संभावना के तहत पुलिस ने आज छापेमारी की. जिसमें पुलिस ने उल्हासनगर के संजय गांधी नगर विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन क्षेत्र, शहाड स्टेशन परिसर, उल्हासनगर स्टेशन परिसर जैसे विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर नशीली दवाओं के बडे स्टॉक को जब्त किया हैं।

गड्ढे में गिरकर महिला घायल

■ सड़क मरम्मत पर ध्यान दें -टोनी सीरवानी

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में गड्ढों की भरमार है और ऐसे में आए दिन हादसे हो रहे हैं. कुछ दिनों पूर्व कैंप नंबर तीन की फालोवर लाइन रोड पर एक 48 वर्षीय महिला की दोपहिया गाड़ी गड्ढे में चली गई. महिला का नाम रिया है. वो अपनी गाड़ी से घर लौट रही थी तब फालोवर लाइन रोड की खराब सड़क के जानलेवा गड्ढे में गिरकर वो गंभीर रूप से घायल हो गई। उल्हासनगर मनपा ने यहां ड्रेनेज लाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी है, लेकिन ठेकेदार सड़क की मरम्मत किए बिना ही सड़क पर मिट्टी फेंककर भाग गया है, लेकिन मनपा का इस पर कोई नियंत्रण नहीं है।

अंबरनाथ पूर्व के पु.उ.नि. पाटिल को मानवी हक आयोग ने दोषी ठहराया

शिकायतकर्ता को 5 लाख देने को कहा

■ पाटिल पर अपराध भी दर्ज करने का आदेश

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में क्रिकेट का टर्फ चलाने वाले केवल विकमनी के साथ दुर्व्यवहार करनेवाले शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के पुलिस उप निरीक्षक सुहास पाटिल (जिनका तबादला पुणे कर दिया गया है) को मानवी हक्क आयोग ने आदेश दिया है कि शिकायतकर्ता विकमनी को 6 महिने के भीतर 5 लाख रुपए नुकसान भरपाई करे और पाटिल पर अपराध दर्ज करके पुलिस विभाग द्वारा जांच भी कराई जाए और उनके विरोध में दोषारोप पत्र पेश किया जाए. ऐसे आदेश पुलिस आयुक्त को दिए गए हैं और महाराष्ट्र में पुलिस कर्मियों का हर महिने सेमिनार लेकर ये बताया जाए कि नागरिकों के साथ अच्छा व्यवहार करें. ऐसा निर्देश महासंचालक को दिया गया है.

शिकायतकर्ता

सुहास पाटिल

केवल विकमनी ने हमें बताया कि वह शहर पूर्व में एक क्रिकेट टर्फ चला रहे थे. 20 मई 2023 को क्रिकेट मुकाबला रात के समय चल रहा था. शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिस उप निरीक्षक सुहास पाटिल टर्फ मैदान पर आए और खिलाड़ियों को गाली गलौज करने लगे. उनसे 200 उठक-बैठक करवाया. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. इससे पहले भी उन्होंने केवल विकमनी को मारा था और बेमतलब की कार्रवाई भी की थी. शिकायत पर पुलिस विभाग भी ध्यान नहीं दे रहा था. उन्होंने एड. घोलप के माध्यम से राज्य मानवी हक आयोग में शिकायत की थी. आयोग ने निर्णय देते हुए पुलिस आयुक्त, उपायुक्त सहायक पुलिस आयुक्त और उप निरीक्षक पाटिल को नोटिस जारी करके शपथ पत्र दाखिल करने को कहा था. आखिर में निर्णय देते हुए आयोग ने पाटिल को दोषी ठहराते हुए विकमनी के पक्ष में निर्णय दिया है.

'नया साल गुरु दे नाल'

धन गुरु नानक दरबार डेरा संत बाबा थाहिरीया सिंह साहिब उल्हासनगर द्वारा आयोजन

उल्हासनगर. नए वर्ष के उपलक्ष्य में जगह-जगह लोग छोटी बड़ी पार्टियों का आयोजन करते हैं, लेकिन इसके ठीक विपरीत स्थानीय हीरा घाट परिसर स्थित प्रसिद्ध धन गुरु नानक दरबार डेरा संत बाबा थाहिरीया सिंह साहिबजी प्रबंधन की तरफ से 31 दिसंबर को नए साल की शुरूआत पूरे धार्मिक माहौल में रखने के लिए 'नया साल गुरु दे नाल' का भव्य स्तर पर आयोजन किया जा रहा है, जिसकी तैयारी जोरों पर चल रही है।

उक्त दरबार के प्रबंधक भाई त्रिलोचन सिंह साहिब ने बताया कि युवा पीढ़ी में नव वर्ष के बढ़ते असभ्य प्रचलन को रोका जा सके तथा उस रात वाहेगुरु का स्मरण कर लोग पुण्य के भागीदार बने इसलिए वाहेगुरु नाम के साथ और गुरु गोविंद सिंह महाराज जी की जय जय कार के साथ, भाईसाहब मेहरवान सिंह जी के आशीर्वाद से और भाईसाहब जसकीरत सिंह साहिबजी की अगुवाई में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह आयोजन किया जा रहा है।

टिल्लू भाई साहिब ने आगे कहा कि भाईसाहब चमनजीत सिंहजी लाल (दिल्ली वाले) सारी संगत को वाहेगुरु नाम सिमरन से नए साल की शुरूआत करवाएंगे। दशमेश पिता गुरु गोबिंद सिंह महाराज जी का जन्म दिन भी 31 दिसंबर 2024 रात को धूमधाम से मनाया जाएगा। कीर्तन दरबार शुद्ध समय रात्रि 10:00 बजे से नए वर्ष शुरू होने तक जारी रहेगा। इसी कड़ी में गुरु गोविंद सिंह महाराज जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में 31 दिसंबर से 6 जनवरी के बीच इच्छा पूरक 7 दिन भी रखा गया है, जिसमें 5 अखंड श्री चौपाई साहिब जी के पाठ हिंदी में रखे जाएंगे। भाई साहिब ने सारी संगत से विनती की ज्यादा से ज्यादा संगत एन समागमों में हाजिरी लगा कर गुरु घर की खुशियां प्राप्त करें।

पूज्य चालीया साहिब मंदिर द्वारा

151 बहराणा साहेब का आयोजन

उल्हासनगर. हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नए साल की पूर्व संध्या पर पूज्य चालीया साहिब मंदिर ट्रस्ट द्वारा शहर व समाज की सुख समृद्धि के लिए 151 बहराणा साहेब का आयोजन किया गया है। यह आयोजन चालीया मंदिर में गुरुवार 31 दिसंबर 2024 की शाम 8.30 बजे किया गया है। जहां बहराणा साहेब के दौरान भजन संध्या और झूलण साईं की मौज रहेगी। सिंधी समाज से अपील की गई है कि इस बहराणा साहेब में शामिल होकर नए साल का जश्न मनाए और अपने ईष्ट देव साईं झूलेलाल का आर्शिवाद लें.

258 करोड़ की पानी योजना लाल फीते में अटकी

■ वन विभाग-मजीप्रा के असमन्वयता के कारण योजना केवल कागज पर

■ आपटी (उल्हास नदी) से लिया जाना था पानी

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर की बढ़ती जनसंख्या के लिए भविष्य में पानी की मांग को लेकर राज्य सरकार ने अमृत योजना चरण-2 अंतर्गत 258 करोड़ रुपयों की 98 एमएलडी की पानी योजना को मंजूरी दी गई है. इस योजना कि निविदा मंजूर हुए 6 माह बीत गए हैं. इस योजना को अमल में लाने के लिए वन विभाग हद की भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया लाल फीते में अटक कर रह गई है. ये योजना 30 महिने में पूरा करने के लिए ठेका भी दे दिया गया है. लेकिन अब ये केवल कागज पर ही दिखाई दे रहा है. योजना को कई वर्ष लग सकते हैं. शहर पश्चिम के नालिंबी भाग में वसत गांव से बहने वाली उल्हास नदी (आपटी नदी) से पानी लेकर पाइप लाइन बिछाकर शहर के तीन झाड़ के पास बड़ी-बड़ी टंकियां लगाकर नदी से पानी लेकर शहर पूर्व और पश्चिम को 98 एमएलडी पानी दिए जाने की ये योजना है. वन विभाग में आने वाले भिसोल और नालिंबी गांव में से 4.08 हेक्टर अर्थात 10 एकड़ जगह वन विभाग द्वारा मजीप्रा को हस्तांतरण करने में कुछ अड़चनें आ रही हैं. वन विभाग की उदासीनता के कारण इस भूमि पर अतिक्रमणों को हटाने में वन विभाग रुचि नहीं बता रहा है. मजीप्रा और वन विभाग की असमन्वय के कारण ये बहुत ही महत्व का काम ठहर सा गया है. योजना अभी तक कागज पर है. योजना को कई वर्ष लग सकते हैं.

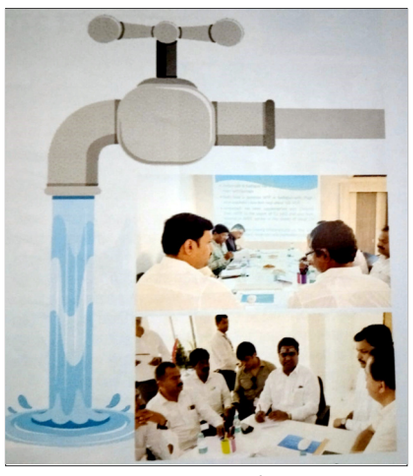

उल्हास विकास — लोकप्रिय हिंदी दैनिक

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास — संपादकीय

वॉर में अब पत्रकार भी सुरक्षित नहीं

हमास के हमले के बाद शुरू हुए इजराइली आक्रमण का खमियाजा फिलिस्तीन के हजारों नागरिक भुगत रहे हैं। इजराइल का दावा है कि वह चरमपंथी समूहों पर हमले कर रहा है, लेकिन सच यह है कि इसकी चपेट में ज्यादातर नागरिक ही आ रहे हैं। अब तक लगभग पैंतालीस हजार फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। हजारों लोग घायल हो चुके हैं। इजराइल वहां मानवीय सहायता भी पहुंचने नहीं दे रहा। ऐसे में हमले से बचे लोग और खासतौर पर बच्चे भुखमरी, रोग और ठंड के शिकार हो रहे हैं।

बड़ी संख्या में महिलाओं-बच्चों और बुजुर्गों को शरणार्थी शिविरों में पनाह लेनी पड़ी है। दुखद यह है कि हवाई हमलों के कारण आम लोगों के शरण लेने वाले शिविर भी सुरक्षित नहीं रहे। इजराइल के हवाई हमले में स्कूल, अस्पताल और नागरिक ठिकाने भी चपेट में आए हैं, जबकि इन जगहों पर हमला नहीं करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों में स्पष्ट निर्देश है।

कुछ समय पहले एक धार्मिक स्थल पर सैन्य हमले में पांच लोग मारे गए थे। उस समय वहां कई विस्थापित लोगों ने शरण लिया हुआ था। बुधवार को भी गाजा पट्टी में अस्पताल के बाहर हवाई हमले में पांच पत्रकारों की मौत हो गई। यानी इजराइल अपने प्रतिशोध में अब पत्रकारों को भी नहीं बख्श रहा है।

यह समझना मुश्किल है कि इतनी बड़ी तादाद में आम लोगों के मारे जाने के बावजूद इजराइल युद्धविराम के किसी भी नियम-कायदे को मानने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं और न ही शांति प्रयास की किसी पहल में उसकी रुचि है। उसकी लगातार नाकाबंदी के कारण भोजन-पानी और दवाओं के अभाव में फिलिस्तीनी रोज मर रहे हैं। भीषण रक्तपात के बावजूद अमेरिका सहित दुनिया के बड़े देशों ने अपनी आंखें मूंद ली हैं।

इस समय गाजा के रिहाइशी इलाके और सड़कें वीरान हैं। लोग बिजली-पानी के बिना जी रहे हैं। गाजा अभूतपूर्व मानवीय संकट से गुजर रहा है। हैरत है कि मानवाधिकार हनन के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले देश भी इजराइल के खिलाफ आगे नहीं आ रहे। ऐसे में शांति प्रक्रिया कैसे शुरू होगी? प्रतिशोध की आड़ में इजराइल कब तक तबाही मचाता रहेगा? यह ध्यान रखने की जरूरत है कि प्रतिशोध की आग में बहुत कुछ जल जाता है, लेकिन युद्ध के बाद हल का रास्ता शांति और संवाद से ही निकल सकता है।

देश की दिशा बदलने वाले मनमोहन सिंह

पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह भारत में आर्थिक सुधारों के प्रणेता के तौर पर जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनके दस वर्ष के कार्यकाल पर लोगों की आलोचनात्मक राय हो सकती है, लेकिन इस तथ्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि भारतीय अर्थव्यवस्था को बचाने एवं बढ़ाने में उनका योगदान अहम है। अर्थशास्त्री, नीति निर्माता और एक राजनेता के तौर पर पहचान बनाने वाले मनमोहन सिंह को भारतीय अर्थव्यवस्था का स्वरूप बदलने के लिए जाना जाता है।

वर्ष 1990 के खाड़ी युद्ध के कारण तेल की कीमतों में तीन गुनी वृद्धि हुई थी। कुवैत पर इराक के हमले की वजह से भारत को अपने हजारों मजदूरों को वापस भारत लाना पड़ा था। नतीजतन उनकी ओर से भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा पूरी तरह से रुक गई थी। ऊपर से भारत की राजनीतिक अस्थिरता और उस समय का सामाजिक-आर्थिक माहौल अर्थव्यवस्था को कमजोर किए जा रहा था। देश को इस कठिन हालात से बाहर लाने के लिए उस समय देश के प्रधानमंत्री रहे पीवी नरसिंह राव ने अपने वित्त मंत्री के रूप में मनमोहन सिंह को चुना था। स्पष्ट है कि वित्त मंत्री के रूप में मनमोहन सिंह की सफलता का श्रेय नरसिंह राव को भी जाता है।

देश के लिए मनमोहन सिंह का सबसे बड़ा योगदान वित्त मंत्री के रूप में आर्थिक सुधारों की शुरुआत करना था। मनमोहन सिंह ने 24 जुलाई, 1991 को आम बजट पेश करते हुए कहा था, ‘समय बर्बाद करने का कोई अवसर नहीं है। न तो सरकार और न ही अर्थव्यवस्था साल दर साल अपनी क्षमता से ज्यादा खर्च कर सकती है। उधार के पैसे की गुंजाइश अब नहीं रही। हमें बाजार की ताकतों के संचालन के लिए दायरे और क्षेत्र का विस्तार करने की जरूरत है।’ इसके बाद मनमोहन सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसे उन्होंने ₹मानवीय चेहरे के साथ सुधार₹ कहा। उन्होंने तीन कैटेगरी में बड़े बदलाव किए-उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण, जिसके तहत विदेश व्यापार उदारीकरण, वित्तीय उदारीकरण, कर सुधार और विदेशी निवेश जैसे बदलाव किए गए। 1991 में भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार संतुलन भारी घाटे में था। देश पर विदेशी कर्ज 69 बिलियन डालर हो गया था। भारत के पास पैसा और समय दोनों बहुत कम थे। तब विदेशी मुद्रा भंडार छह बिलियन डालर से भी कम था, जो देश के केवल दो सप्ताह के आयात को पूरा करने के लिए ही पर्याप्त था। विदेशी पूंजी निवेश पर सरकारी नियंत्रण था। आयात के लिए जटिल लाइसेंसिंग सिस्टम था। चीन और पाकिस्तान के साथ हुए युद्ध, शेयर बाजार में हो रहे घपले, उत्पादन के क्षेत्र में सरकारी नियंत्रण आदि अर्थव्यवस्था की रफ्तार को थामे हुए थे। देश आर्थिक पतन के कगार पर था। इसे बचाने के लिए उन्होंने रुपये का दो बार अवमूल्यन का किया।

पहले लगभग नौ प्रतिशत और उसके बाद 11 प्रतिशत का अवमूल्यन किया गया। इससे हमारा निर्यात सस्ता हो गया, जो हमारे बिगड़ते व्यापार असंतुलन के लिए एक आवश्यक सुधार था। फिर औद्योगिक नीति की शुरुआत के साथ लाइसेंस राज को खत्म किया। भारतीय बाजार को विदेशी कंपनियों के लिए खोल दिए। इस कदम से भारत सरकार विदेश में गिरवी रखा सोना छुड़वा कर आरबीआइ को सौंपने में कामयाब रही।

मनमोहन सिंह ने भारत को दुनिया के बाजार के लिए तो खोला ही, निर्यात और आयात के नियमों को भी सरल बनाया। आसान शब्दों में कहें तो किसी वस्तु का कितना उत्पादन होगा और उसकी कितनी कीमत होगी, इसका फैसला सरकार नहीं, बल्कि बाजार पर छोड़ दिया गया। इन सुधारों ने भारत को तेज आर्थिक विकास की राह पर ला खड़ा किया और देश को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाया।विदेशी पूंजी के प्रवाह ने देश को बदलना शुरू किया, लोगों के पास ज्यादा पैसा आया, जीवनशैली बदली। दुनिया के बड़े ब्रां* ने भारत में दस्तक दी। इससे देश में नौकरियां और उद्योग बढ़े।

वर्ष 2004 से 2014 तक जब वह प्रधानमंत्री थे, तब भारतीय अर्थव्यवस्था के 10 स्वर्णिम वर्ष थे। उस दशक में भारत की जीडीपी औसतन 8.1 प्रतिशत की दर से बढ़ी। 2007 में भारत ने नौ प्रतिशत की अपनी उच्चतम जीडीपी वृद्धि दर हासिल की। उनके कार्यकाल में सबसे बड़ा सामाजिक कल्याण कार्यक्रम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम था, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना के रूप में मान्यता प्राप्त है। उनकी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु ऊर्जा समझौते पर हस्ताक्षर भी थी। इसने भारत के लिए परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के वास्तविक सदस्य के रूप में स्वीकार किए जाने के दरवाजे खोल दिए।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

प्रेम के वृक्ष का सबसे मीठा फल सेवा है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

तीन कोचिंगों पर लगा पंद्रह लाख का जुर्माना

मदेश भर में फैले ज्यादातर कोचिंग संस्थानों में जितने भी विद्यार्थी पढ़ाई करने जाते हैं, उसकी मुख्य वजह यही होती है कि ऐसी जगहों के बारे में उन्हें यह बताया जाता है कि वहां से निकले सभी प्रतिभागियों को हर हाल में नौकरी मिलेगी। ऐसे कोचिंग संस्थानों के बारे में सार्वजनिक प्रचारों में वहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों की कामयाबी और मनपसंद जगह पर चुन लिए जाने के बारे में जैसे दावे किए जाते हैं, उनमें से ज्यादातर सच्चाई से दूर होते हैं, लेकिन वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले नए विद्यार्थियों को अपने आकर्षण के जाल में उलझाने में कामयाब हो जाते हैं।

दरअसल, कोचिंग संस्थानों के बारे में तैयार प्रचार सामग्री को अक्सर भ्रामक तरीके से पेश किया जाता है, तो कई बार झूठे दावे परोसने में भी संकोच नहीं किया जाता। ऐसा इस हकीकत के बावजूद किया जाता है कि सार्वजनिक रूप से किए गए ऐसे दावे कभी कसौटी पर भी रखे जा सकते हैं और उसके बाद उस पर सवाल उठाए जा सकते हैं।

गौरतलब है कि केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने तीन कोचिंग संस्थानों पर इस वजह से पंद्रह लाख रुपए का जुर्माना लगाया है कि उन्होंने सिविल सेवा परीक्षाओं में प्रतिभागियों की सफलता की दर के बारे में भ्रामक तथ्य परोसे थे। सीसीपीए ने अपनी पड़ताल में यह पाया कि कोचिंग संस्थानों ने जानबूझ कर यह बात छिपाई कि उनके ज्यादातर सफल अभ्यर्थियों ने केवल साक्षात्कार मार्गदर्शन कार्यक्रमों में पंजीकरण कराया था। जबकि इसी दावे की वजह से वहां के अन्य पाठ्यक्रमों

की प्रभावशीलता के बारे में एक भ्रामक धारणा बनी।

विद्यार्थियों का आर्थिक शोषण और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किस पैमाने पर किया जाता है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सीसीपीए ने जिन कोचिंग संस्थानों पर जुर्माना लगाया है, उनमें से एक की ओर से अपने बारे में किए गए प्रचार में 2022 की संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में ‘933 में से 617 चयन’ का दावा किया गया, जबकि वहां सफल अभ्यर्थियों में से ज्यादातर ने केवल साक्षात्कार की तैयारी के लिए पाठ्यक्रम में पंजीकरण कराया था। इसी तरह, कई बार प्रतियोगिता परीक्षाओं के नतीजे आने के बाद एक ही उत्तीर्ण अभ्यर्थी की तस्वीर के साथ अनेक कोचिंग संस्थान अपने विज्ञापनों में उसके अपने यहां पढ़ाई किए होने का दावा करते हैं।

जाहिर है, यह एक तरह का भ्रम परोस कर अपने संस्थान में पढ़ने के लिए आकर्षित करने की हरकत है। दूसरी ओर, अपने आंतरिक ढांचे के भीतर शिक्षण का प्रारूप, शिक्षकों और उनकी योग्यता का ब्योरा, संसाधन आदि के बारे में पारदर्शिता का निर्वाह शायद ही कभी किया जाता है। सवाल है कि जो तथ्य सार्वजनिक पटल पर होते हैं और उन्हें कोई भी थोड़ी कोशिश करके जान सकता है, उसके जरिए प्रकारांतर से ठगी का धंधा कैसे चलता रहता है। इस संबंध में केंद्र सरकार ने सख्त नियम भी बनाए हैं।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत जानबूझ कर महत्त्वपूर्ण जानकारी छिपाने संबंधी प्रचार भ्रामक विज्ञापनों के दायरे में आते हैं। हाल ही में सीसीपीए ने भ्रामक प्रचार करने वाले कई अन्य कोचिंग संस्थानों पर भी भारी जुर्माना लगाया था। विडंबना यह है कि नियम-कायदों की अनदेखी करके अपने प्रचार के क्रम में कई कोचिंग संस्थान जो दावे करते हैं, उसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करना उन्हें जरूरी नहीं लगता। यह समझना मुश्किल है कि सीमित अवसरों के दौर में ‘सौ फीसद चयन’ जैसी गारंटी का दावा करने में कोई संकोच क्यों नहीं होता!

मुजफ्फरपुर का एक 6 फीट चौड़ा 5 मंजिला मकान

जरा हट के

सोशल मीडिया पर जब आप अजूबा घर सर्च करेंगे तो आपको मुजफ्फरपुर का एक 6 फीट चौड़ा 5 मंजिल का मकान दिखेगा. यह मकान एक बार फिर से इंस्टाग्राम से लेकर तमाम सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है. इस मकान को देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं साथ ही जब लोग इस घर के रास्ते से गुजरते हैं तो इस घर को गौर से देखते हैं. यह घर शहर के गन्निपुर में रामदयालु स्टेशन के पास है. यह घर इलाके में आकर्षण का केन्द्र है. इसकी ख़ास बात यह भी है कि यह घर भूकंप के कई झटके भी सह लेता है. वहीं इस घर को लोग मोहब्बत की निशानी भी बताते हैं क्योंकि साल 2005 में बिल्डिंग के मालिक संतोष कुमार की जब शादी हुई तो उन्होंने अपनी पत्नी को मुंह दिखाई में जमीन गिफ्ट की थी. उसके बाद इस घर को बनाया गया जिसके बाद देखते-देखते यह घर खूब वायरल हो गया.

अचानक एक दिन इसका नक्शा बनवाने का प्रयास किया, सोचा कि जब जमीन दी है तो घर भी बना लेते हैं. लेकिन इंजीनियर इसके लिए तैयार नहीं हो रहे थे. 7 साल तक जमीन ऐसे ही पड़ी रही, फिर एक दिन पेन पेपर लेकर बैठा और नक्शा तैयार किया. वो नक्शा ले जाकर नगर निगम को दिखाया फिर वह लोग बोले ये पास कैसे होगा, हम बोले कमर्शियल पास कर दीजिए. जिसके बाद नक्शा पास हो गया. ढाई साल के बाद घर बनने लगा, बनने के समय भी 30 फीट नीचे से इसको ऊपर उठाया गया ताकि इसको कभी खतरा न हो. वहीं यह जो बिल्डिंग है वह बड़े-बड़े भूकंप के झटके झेल चुकी है. 2015 के जब भूकंप आया और कई बिल्डिंगों में दरार आ गई थी और कई गिर गई थी. लगातार 5-6 दिन तक एक दिन में 4 से 5 बार भूकंप आता था लेकिन बावजूद इस घर को कुछ नहीं हुआ. फिर देखते-देखते सोशल मीडिया से लेकर तमाम लोगों की नजर पड़ी और लोग इसका वीडियो बनाकर शेयर करने लगे और यह वीडियो खूब वायरल होने लगा. देखते ही देखते यह घर अजूबा घर के नाम से मशहूर हो गया.

ठंड से बच्चों को कैसे बचाएं?

■ डॉक्टर ने बताए 5 घरेलू उपाय

ठंड अपने साथ कई मुसीबतों को लेकर आती है. खासतौर पर बच्चों के लिए. इस मौसम में बच्चों को बचा कर रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता है. जैसे ही सर्दियों का मौसम शुरू होता है वैसे ही बच्चों में खांसी-जुकाम की समस्या बढ़ने लग जाती है. इससे निपटने के लिए ज्यादातर लोग बाजार की महंगी दवाओं का सहारा लेते हैं. लेकिन कई बार ये दवाएं भी काम नहीं आती हैं, ऐसे में कुछ घरेलू नुस्खे आपके काम आ सकते हैं. यदि आप चाहते हैं कि सर्दी में आपके बच्चे को दवाओं की जरूरत ही न पड़े और ठंड से बचे रहें तो आप इन नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं. आइए बलरामपुर चिकित्सालय लखनऊ के आयुर्वेदाचार्य डॉ. जितेंद्र शर्मा से जानते हैं कि इन घरेलू नुस्खों के बारे में-

जादुई पोटली: तवे पर करीब एक चम्मच अजवाइन और तीन चार लहसुन की कली काटकर उसे भून लें. ये धीमी आंच पर भूनें और थोड़ा ठंडा हो जाने पर इसे कॉटन के कपड़े में डालकर एक पोटली बना लें. सोते समय बच्चे के कंबल में इसे रख दें या उसकी बांह के आसपास रख दें. इससे ठंड से राहत मिलती है और जुकाम और जकड़न में मदद मिलती है.

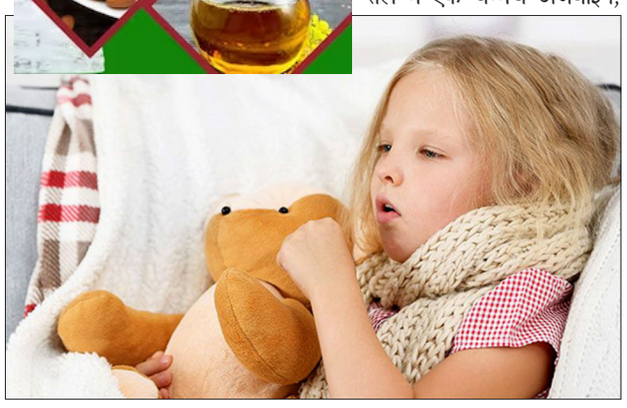

हल्दी-दूध और केसर: आयुर्वेदाचार्य के मुताबिक, बच्चों को ठंड से बचाने के लिए हल्दी-दूध और केसर बेहद कारगर है. दरअसल, ये तीनों की चीजें शरीर को गर्म रखने का काम करती हैं. वैसे तो इन चीजों का स्वाद काफी कड़वा होता है, लेकिन यदि आप हल्दी को दूध में डालकर ठीक पका देंगे तो कड़वापन दूर हो जाएगा. इसके बाद इस दूध में केसर के कुछ स्ट्रैंड डालकर गुड़ मिलाकर बच्चों को दे सकते हैं. ऐसा करने बच्चे इसे आसानी से पी लेंगे.

बादाम: ठंड के मौसम में बादाम बच्चों के लिए एक औषधि के रूप में काम करता है. इसके नियमित सेवन करने से बच्चों के बीमार होने का खतरा कम होता है. इसके लिए रात में बादाम भिगों दें और सुबह ये बच्चे को घिस कर दे दें. इसके साथ ही आपर इसमें बच्चे की उम्र के हिसाब से 2-3 राउंड जायफल भी घिस सकते हैं. इसको दूध में केसर के साथ उबालकर देना अधिक फायदेमंद है.

सरसों का तेल: बच्चे को ठंड से बचाने के लिए सेंधा नमक और सरसों का तेल भी बेहद कारगर माना जाता है. इसके लिए आप एक पैन में शुद्ध सरसों के तेल में एक चम्मच अजवाइन, एक चम्मच मेथी, जरा सी हींग और कुछ कलियां लहसुन की उबाल लें. इसके बाद इस तेल को छान कर किसी बोतल में रख लें. अब आप इस तेल को रोज सोने से पहले बच्चे के तलवे और हथेलियों पर लगाएं.

सेंधा नमक: सर्दी में सेंधा नमक भी बच्चों के लिए काफी फायदेमंद होता है. इसके लिए सेंधा नमक और देशी घी को एक बाट पर लेकर महीन घिस लें. जब सेंधा नमक पिसकर क्रीम जैसे पेस्ट बन जाए तो इसे किसी कटोरी में ले लें. इसके बाद इसे बच्चे की छाती पर लगाएं. ऐसा करने से बच्चे को ठंड लगने का खतरा कम होता है. साथ ही कफ भी ढ़ीला पड़ता है.

इम्यूनिटी बूस्टर है एप्पल बोर

■ कई बीमारियों के लिए रामबाण

■ साल में सिर्फ दो महीने ही मिलेगा

बाजार में सीजन के अनुसार कई तरह के फल आ रहे है. इन दिनों बीकानेर में फलों की बहार आई हुई है. ऐसा में एक ऐसा फल आया है जिसके खाने से शरीर में चीते जैसी स्फूर्ति बनी रहती है. हम बात कर रहे है एप्पल बोर की. इस एप्पल बोर की डिमांड भी खूब नजर आ रही है. इस सेब को गरीबों का सेब भी कहा जाता है. यह एप्पल बोर दिखने में एकदम सेब की तरह होता है. यह सेब बाहर से हरा और थोड़ा लाल रहता है. इसके साथ ही खाने में बड़ा स्वादिष्ट रहता है.

दुकानदार नरेश पंजाबी ने बताया कि बाजार में एप्पल बोर आए है. यह बाजार में 80 से 100 रुपए किलो बेचे जाते है. यह एप्पल बोर अभी गुजरात से आ रहे है. इन बोर का सीजन दो से तीन माह तक रहता है. सुबह से शाम तक इस बोर की लोग खरीदारी कर रहे है.

■ कई तरह के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टर रेणु स्वामी का कहना है कि एप्पल बोर सीजन का फल होता है जिसे खाने से कई तरह के फायदे होते है.इसमें विटामिन सी, ए, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस, जिंक और साइट्रिक एसिड होता है. यह हड्डियों को कमजोर होने से रोकता है. इसमें नाइट्रिक ऑक्साइड होता है जो खून से सही से चलाने में मदद करता है. इसके अलावा ब्रेन को डेड होने से बचाता है. इसके साथ ही इम्यूनिटी बढ़ाने का काम करता है.

प्याज का पराठा

खाना-खजाना

सामग्री

- गेहूं आटा- 2-3 कप
- प्याज- 2-3
- अदरक-लहसुन का पेस्ट- 2 टी स्पून
- लाल मिर्च पाउडर- 1 टी स्पून
- अजवाइन- 1/2 टी स्पून
- चाट मसाला- 1 टी स्पून
- घी- 4 टी स्पून
- हरी मिर्च- 3-4
- हरा धनिया कटा- 2 टेबलस्पून
- नमक- स्वादानुसार

बनाने का तरीका

स्वादिष्ट प्याज का पराठा ब्रेकफास्ट के लिए एक परफेक्ट रेसिपी है. इसे बनाने के लिए सबसे पहले प्याज को पतले और लंबे आकार में लच्छेदार काटें. इसके बाद प्याज में अजवाइन, अदरक-लहसुन पेस्ट, हरी मिर्च, हरा धनिया समेत अन्य सभी मसाले डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें और ढककर 10 मिनट के लिए अलग रख दें. अब एक बर्तन में गेहूं का आटा छानें और उसमें 1 चम्मच घी/तेल डालकर थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए आटा गूंथ लें.

आटा गूंथने के बाद उसकी

लोइयां बना लें और एक लोई को लेकर पहले रोटी जैसा बेल लें और उसके बाद प्याज की तैयार स्टफिंग में से थोड़ा सा मिश्रण निकालकर रोटी के बीच में रखें और चारों ओर से बंद कर दोबारा गोल बेल लें. ध्यान रखें कि पराठा ज्यादा पतला न हो. उसे बेलने के दौरान थोड़ा मोटा ही रहने दें. अब एक नॉनस्टिक तवे को मीडियम आंच पर गर्म करें. तवा गर्म होने के बाद उस पर थोड़ा सा घी डालकर चारों और फैलाएं, फिर बेला हुआ पराठा सेकने के लिए डाल दें. थोड़ी देर सिकने के बाद पराठा पलटें और ऊपर की ओर घी लगाएं. कुछ देर बाद पराठा फिर पलटें.

इसी तरह पराठे को दोनों ओर से सुनहरा होने तक सेकें. अब पराठा प्लेट में उतार लें. इसी प्रक्रिया का पालन करते हुए एक-एक कर सारे प्याज के पराठे तैयार कर लें. नाश्ते के लिए टेस्टी प्याज का पराठा बनकर तैयार है. अब आप इसे चटनी, सॉस या दही के साथ खा सकते हैं.

आज का राशिफल

मेष : सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें।

मिथुन : पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क : धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है।

सिंह : कुसगंति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है। सावधानी रखें।

कन्या: राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी।

तुला: सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

वृश्चिक: किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कष्ट व भय सताएंगे।

धनु: शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

मकर: प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्यापार ठीक चलेगा।

कुंभ: चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मीन: कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। किसी न्यायपूर्ण बात का भी विरोध हो सकता है।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सर्दियों में ऐसे करें अपने फटे एड़ियों की देखभाल

■ एक्सपर्ट से जानें आसान तरीका

महिलाएं अपने 16 श्रृंगार को लेकर काफी सजग रहती हैं. लेकिन जब फटी एड़ियों की बात आती हैं तो ऐसे में महिलाओं को थोड़ी शर्म महसूस होती हैं. वह क्रैक फीट को देखकर काफी चिंतित हो जाती है. पूर्णिया राजकीय मेडिकल कॉलेज के डर्मेटोलॉजिस्ट एक्सपर्ट डॉ. प्रेरणा कहती हैं कि ऐसे में महिलाओं को इन बातों का ध्यान रखना चाहिए. डर्मेटोलॉजिस्ट एक्सपर्ट डॉ. प्रेरणा कहती है कि यह काफी आम समस्या हो गई है. ये समस्या सिर्फ महिलाओं में ही नहीं बल्कि पुरुषों में भी यह समस्याएं होती है. उन्होंने कहा 100 में 90 मरीज ऐसे आते हैं जो अपनी फ़टी एड़ियों को लेकर काफी परेशान रहते हैं.

■ इन बातों का रखें विशेष ख्याल

डॉ. प्रेरणा कहती हैं कि लोग सस्ते के चक्कर में प्लास्टिक या रबड़ सहित अन्य चीजों के बनें स्लीपर या शूज का इस्तेमाल करते हैं. जिससे उन्हें नुकसान होता है. ऐसे में उन्होंने कहा कि सबसे

पहले लोगों को अपने फुटवियर या चप्पल का विशेष ध्यान रखना चाहिए. उन्होंने कहा कि अच्छा स्लीपर और शूज पहने. गद्देदार और आरामदायक शूज स्लिपर्स पहनने चाहिये. अपने घरों में भी नहीं चले खाली पैर, उन्होंने कहा आप सिर्फ शुद्ध सूती कपड़े के बने मौजा को ही पहने.

■ इन चीजों से फायदा

उन्होंने कहा आप अपने फटे एड़ियों पर मॉइश्चराइजेशन लगाकर ग्लिसरीन मिला हुआ प्रयोग करें. डॉ प्रेरणा कहती हैं कि इसको लगाने का तरीका आसान है. इस क्रीम को तीन-चार बार लगाना चाहिए.

■ क्रीम लगाने की विधि

डॉ. प्रेरणा ने कहा कि सबसे पहले एक बर्तन में गुनगुना पानी लें. उस पानी में अपने फटे एड़ियों कुछ मिनटों के लिए डुबोकर रखे. फिर पैर को बाहर निकालकर साफ तौलिया से पोंछे और अपने एड़ियों को पूरी तरह साफ करें और फिर उसमें वह मॉइस्चराइजर क्रीम को लगाये. जिससे वह क्रीम आपकी स्किन तक आसानी से लगेगा.

फिर उसके बाद थोड़ी देर बाद आप कॉटन मौजा पहनें इसके बाद आपका पैर निश्चित ही ठीक हो जाएगा. उन्होंने कहा कि इतना होने के बाद अगर आपका सुधार नहीं होता है तो फिर आप सीनियर डर्मेटोलॉजिस्ट से जाकर मिले.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. ‘उल्हास विकास’ इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

गर्लफ्रेंड ने ब्लैकमेल किया तो इंजीनियर बन गया किडनैपर, भांजे को किया अगवा

आगरा. यूपी एसटीएफ की आगरा यूनिट ने गुरुवार को आठ साल के भांजे के अपहरण के मामले में मामा को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल आरोपी ने गुजरात के वापी से भांजे को किडनैप किया था और आगरा में छिपा हुआ था। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि प्रेमिका ब्लैकमेल करती थी। उसे ही 50 लाख रुपये देने के लिए रिश्ते के भांजे का अपहरण किया। गुजरात पुलिस ने वारदता में शामिल इंजीनियर के दो साथियों को पहले ही दबोच लिया था।

23 दिसंबर की रात गुजरात के वापी निवासी आठ वर्षीय आफाक का किडनैप हुआ था। उसके पिता आदिल शेख साउदी अरब में काम करते हैं। अपहर्ताओं ने आफाक को बेहोश कर कर उसका गला घोंट दिया था। मरा समझकर उसे गंगा नदी के किनारे झाड़ियों में फेंक दिया था। बालक के पास मोबाइल था। जिसे घटना स्थल पर फेंक दिया था। आफाक के परिजन पुलिस के साथ उसकी तलाश में जुटे थे। गनीमत यही रही कि आफाक मरा नहीं था, कुछ देर बाद उसे होश आ गया और वह ठीक था। पुलिस और परिजन मोबाइल की वजह से उस तक पहुंच गए। उसे अस्पताल में भर्ती कराया। उसने परिजनों को बताया कि उसका अपहरण रिश्ते के मामा शाहबाज ने किया था।

नए साल पर अयोध्या में टूट सकता है सभी होटल फुल, रामलला के दर्शन का बढ़ा समय

अयोध्या. नए साल पर अयोध्या पहुंचने को लेकर श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड टूट सकता है। अभी से अयोध्या के लगभग सभी होटलों की बुकिंग फुल हो चुकी है। ऐसे में माना जा रहा है कि अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या आम दिनों की अपेक्षा ज्यादा होगी। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर के दर्शन का समय बढ़ा दिया है। साथ ही अपेक्षित भीड़ को प्रबंधित करने के लिए व्यापक व्यवस्था लागू की हैं। इस साल 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। अयोध्या जिला मुख्यालय में लगभग सभी होटलों के कमरे बुक हो चुके हैं।

चाचा ने अपनी पांच वर्षीय भतीजी का किया रेप, हालत बिगड़ी तो छोड़कर फरार

श्रावस्ती. श्रावस्ती जिले से रिश्तों को शर्मसार करने की घटना सामने आई है। सगे चाचा ने अपनी पांच वर्षीय भतीजी के साथ दुष्कर्म किया और हालत बिगड़ने पर उसे छोड़कर मौके से फरार हो गया. बालिका को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पांच वर्षीय बालिका को शुक्रवार शाम को उसका चाचा घर से साथ लेकर चल गया। उसके बाद गांव के बाहर स्थित प्राथमिक विद्यालय के पीछे ले जाकर बालिका के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। बालिका की हालत बिगड़ने पर युवक उसे वहीं छोड़कर फरार हो गया।

महाराजगंज में पुलिस एनकाउंटर

महराजगंज. यूपी के महराजगंज पुलिस ने परतावल स्थित हाजी ज्वेलर्स शॉप में चोरी करने वाले चार आरोपियों को देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की घेराबंदी पर बदमाशों की ओर से फायरिंग होने लगी। जवाब में पुलिस ने फायर किया तो एक बदमाश के पैर में गोली लगी है। आरोपियों के पास दो किलो के करीब चांदी, दस ग्राम सोना और पांच हजार नगदी बरामद कर हुई है। बीते 4-5 दिसंबर की रात इस दुकान का ताला तोड़कर भीषण चोरी हुई थी। शुक्रवार की रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के कुछ सदस्य चोरी की फिराक में हैं।

मनमोहन सिंह पंचतत्व में विलीन

- बेटी ने मुखाग्नि दी
- तीनों सेनाओं ने सलामी;
- राहुल शवयात्रा के साथ आए
- राष्ट्रपति-PM, सोनिया -प्रियंका मौजूद रहीं

नई दिल्ली. पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का शनिवार को निगमबोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनके पार्थिव शरीर को सेना की तोपगाड़ी पर दिल्ली के निगमबोध घाट लाया गया। यहां तीनों सेनाओं ने उन्हें सलामी दी। इसके बाद राजकीय सम्मान के बाद अंतिम संस्कार की रस्में पूरी की गईं।

मनमोहन की पत्नी गुरशरण कौर, बड़ी बेटी उपिंदर सिंह (65), दूसरी बेटी दमन सिंह (61) और तीसरी बेटी अमृत सिंह (58) निगमबोध घाट पर मौजूद थे। परिवार ने प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात की। बेटी ने मुखाग्नि दी।

निगमबोध घाट में सोनिया, प्रियंका, राहुल और कांग्रेस के बड़े नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति मुर्मु, प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ भी उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे।

अंतिम संस्कार के दौरान भी मनमोहन सिंह को उनकी पसंदीदा नीली पगड़ी पगड़ी पहनाई गई। उन्होंने कैमब्रिज यूनिवर्सिटी को याद रखने के लिए उसके एक रंग को अपनी पगड़ी का सिग्नेचर कलर बना लिया था।

डॉ. मनमोहन सिंह की पार्थिव देह को सुबह 9:30 बजे उनके आवास से कांग्रेस मुख्यालय लाया गया था। इसके बाद अंतिम यात्रा शुरू हुई। राहुल गांधी पार्थिव देह के साथ गाड़ी में बैठे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार रात निधन हो गया था। वे 92 साल के थे। वे लंबे समय से बीमार थे। घर पर बेहोश होने के बाद उन्हें रात 8:06 बजे दिल्ली AIIMS लाया गया था। हॉस्पिटल बुलेटिन के मुताबिक, रात 9:51 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली।

मनमोहन के स्मारक पर छिड़ा विवाद

निगमबोध घाट पर मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। केसी वेणुगोपाल ने कहा- सरकार पूर्व पीएम का स्मारक बनाने के लिए जमीन तक नहीं तलाश पाई। ये देश के पहले सिख पीएम का अपमान है। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी-शाह से मांग की थी कि मनमोहन सिंह का जहां अंतिम संस्कार हो, वहीं स्मारक बनाया जाए। हालांकि, गृह मंत्रालय ने देर रात बताया कि स्मारक की सही जगह तय करने में कुछ दिन लग सकते हैं।

इंपोर्ट-एक्सपोर्ट पॉलिसी बदल दी, लाइसेंस राज खत्म किया

देश के वित्त मंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने 29 फरवरी 1992 को इसी शेर के साथ अपना बजट भाषण खत्म किया था। इसके जरिए उन्होंने देश की इकोनॉमी खोलने पर उठ रहीं तमाम आशंकाओं का डटकर जवाब दिया था। अटल बिहारी वाजपेयी के बाद देश के 14वें प्रधानमंत्री बने मनमोहन सिंह ने 26 दिसंबर को रात 9.51 बजे दिल्ली AIIMS में अंतिम सांस ली। 92 साल के मनमोहन को सांस लेने में तकलीफ होने पर अस्पताल में भर्ती किया गया था।

मनमोहन बेहद कम बोलते थे। वे इतने शर्मीले थे कि लंबे बालों की वजह से कैंब्रिज में सबसे आखिर में नहाते थे, जब गर्म पानी खत्म हो जाता था। ऐसे में उन्हें सर्दी के बावजूद ठंडे पानी से नहाना पड़ता था।

प्रधानमंत्री आवास में रहते हुए भी मनमोहन सिंह खुद को कॉमन मैन और मारुति 800 को अपनी कार कहते थे। उनकी शुरुआती पढ़ाई उर्दू में हुई थी। इसलिए कई बार स्पीच की स्क्रिप्ट भी उर्दू में लिखनी पड़ती थी।

पद्म विभूषण डॉ. मनमोहन सिंह की जिंदगी के कम देखे-सुने गए पहलुओं के बारे में यहां जानिए...

- मनमोहन का परिवार पाकिस्तान से विस्थापित होकर हल्द्वानी आया था। बचपन में मां का निधन हो गया। दादा-दादी ने पाला। गांव में लालटेन की रोशनी में पढ़ाई की। उन्होंने 1948 में मैट्रिक पास की थी।
- पिता चाहते थे कि वे डॉक्टर बनें इसलिए प्री-मेडिकल कोर्स में दाखिला लिया। हालांकि, कुछ महीनों बाद ही उन्होंने कोर्स छोड़ दिया। इसके बाद ब्रिटेन जाकर कैंब्रिज और ऑक्सफोर्ड से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की।
- इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर थे, फिर RBI के गवर्नर और वित्त मंत्री बने
- डॉ. मनमोहन सिंह ने करियर की शुरुआत पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में शिक्षक के तौर पर की। 1971 में वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार और 1972 में वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार बने।
- 1985 से 1987 तक वे योजना आयोग के प्रमुख और 1982 से 1985 तक रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे। पीवी नरसिम्हा राव ने 1991 उन्हें में वित्त मंत्री बनाया। 2018 में कांग्रेस से राज्यसभा पहुंचे। वे अप्रैल, 2024 तक राज्यसभा सांसद थे।

बर्फबारी से श्रीनगर-लेह हाईवे बंद

- बारिश से दिल्ली में 15 साल
- अजमेर में 14 साल का रिकॉर्ड टूटा
- UP में स्कूल बंद
- MP में ओले गिरे

नई दिल्ली. जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग और तनमार्ग में बर्फबारी के कारण फंसे 68 टूरिस्ट को शुक्रवार देर रात सेना ने रेस्क्यू किया। आर्मी ने बताया कि अचानक हुई भारी बर्फबारी और सड़कों के बंद होने के कारण 30 महिलाओं और 8 बच्चों समेत 68 लोग घाटी पर फंस गए थे। उन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उन्हें शेल्टर और दवाएं भी दी गईं। बर्फबारी के कारण श्रीनगर-लेह हाईवे और मुगल रोड को बंद हो गया। श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे पर 2,000 वाहन फंस गए। भारी बर्फबारी के कारण शनिवार सुबह श्रीनगर एयरपोर्ट पर 80% उड़ानें रद्द कर दी गईं। वहीं घने कोहरे के चलते दिल्ली में 14 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। शुक्रवार को दिल्ली में 24 घंटे में शहर में 9.1mm बारिश दर्ज की गई। यह पिछले 15 साल में दिसंबर महीने की सबसे ज्यादा बारिश रही। वहीं, राजस्थान के अजमेर में भी दिसंबर महीने में पिछले 24 घंटे के दौरान 21.4mm से ज्यादा बरसात रिकॉर्ड हुई। यह पिछले 14 साल में दिसंबर की सबसे ज्यादा बारिश है।

UP के मुजफ्फरपुर में तेज बारिश के कारण एक मकान गिर गया, जिससे महिला की मौत हो गई। बारिश और ठंड के कारण गाजियाबाद-मेरठ में 8वीं तक के स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

शुक्रवार को MP के कई जिलों में बारिश हुई। रतलाम, मंदसौर, बैतूल, आलीराजपुर समेत कई जिलों में बारिश के साथ ओले भी गिरे।

सिख और हिंदू को लड़ाने की कोशिश

खालिस्तान समर्थक आतंकियों से मुठभेड़ के बाद बोले सीएम योगी

लखनऊ. सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमें यह देखना होगा कि कौन वह लोग हैं जो युवा पीढ़ी को रक्त की चपेट में लाने की कोशिश कर रहे हैं। कौन वो लोग हैं जो सिख और हिंदू को लड़ाने की कोशिश कर रहे हैं। सिख-और हिंदू एक दूसरे के पूरक हैं, जो इन्हें लड़ाते हैं, उनसे बचना होगा। मुख्यमंत्री आवास पर गुरुवार को वीर बाल दिवस (साहिबजादा दिवस) का मुख्य आयोजन किया गया। इस दौरान ऐतिहासिक समागम व 11,000 सहज पाठ का भी शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री ने गुरु तेग बहादुर के श्लोकों पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री का सिख और हिन्दुओं को लड़ाने को लेकर संबोधन ऐसे समय पर आया है जब दो दिन पहले ही पीलीभीत में खालिस्तान समर्थक तीन आतंकियों को यूपी पुलिस ने मार गिराया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के इस जुझारू व समृद्ध कौम ने सामर्थ्य, पुरुषार्थ व परिश्रम से मिसाल प्रस्तुत की है। कभी बड़ी संख्या में फौज में जाकर सिखों ने भारत की सुरक्षा के लिए खुद को समर्पित किया, लेकिन वे कौन दुश्मन हैं, जो उनके परिश्रम व पुरुषार्थ को कुंद करने की साजिश कर रहे हैं। युवा पीढ़ी को ड्रग की चपेट में लाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। इन्हें पहचानने और उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। सिख-हिंदू एक दूसरे के पूरक हैं, जो इन्हें लड़ाते हैं, उनसे बचना होगा। गुरु महाराज हमें मित्र-शत्रु पहचानने की ताकत दें।

योगी ने कहा कि सिख परंपरा काफी समृद्ध है। इन्होंने विपरीत परिस्थितियों में लड़ते हुए न केवल अपनी परंपरा को सुरक्षित-संरक्षित रखा, बल्कि देश व धर्म के लिए भी बलिदान देकर नई प्रेरणा प्रदान की। एक तरफ इनका गौरवशाली इतिहास है तो दूसरी तरफ सुनते हैं कि काबुल में सिखों के दो, चार-दस परिवार ही बचे हैं। जब बांग्लादेश की घटना व पाकिस्तान के अंदर अत्याचार के बारे में सुनते हैं, तब सिख गुरुओं के त्याग-बलिदान का स्मरण होता है।

बाबरी ढांचा गिरने के दौरान पूजा नहीं कर रहे थे नरसिम्हा राव

- पूर्व IPS अधिकारी ने खोले राज

नई दिल्ली. पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और बाबरी मस्जिद विध्वंस के कई किस्से हैं। कुछ रिपोर्ट में यह दावा किया जाता है कि जब कारसेवक अयोध्या में बाबरी मस्जिद का विध्वंस कर रहे थे तब प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव सो रहे थे। वहीं, किसी रिपोर्ट में यह कहा जाता है कि उस समय वह पूजा कर रहे थे और अपने अधिकारियों से उन्हें इस दौरान टोकने से मना किया था। वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप नैयर ने अपनी किताब 'बियॉन्ड द लाइन्स' में सोने की बात कही है। हालांकि उनके इस दावे का ओएसडी रहे पूर्व आईपीएस अधिकारी ने खंडन किया था।

पूर्व आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल उस समय अयोध्या मुद्दे पर गृह मंत्रालय में विशेष कर्तव्य अधिकारी (OSD) थे। उन्होंने कहा, ₹वास्तविक स्थिति यह है कि उस समय नरसिम्हा राव न तो पूजा कर रहे थे और न ही सो रहे थे, बल्कि वह जग रहे थे। उन्हें गृह सचिव माधव गोदबोले से लगातार सूचना मिल रही थी। गोदबोले ने दोपहर 12:30 बजे के बाद हर आधे घंटे में नरसिम्हा राव को मस्जिद के विध्वंस की प्रक्रिया के बारे में सूचित किया।₹

उन्होंने यह भी बताया कि गोदबोले ने न केवल राव को जानकारी दी बल्कि गृह मंत्रालय के लॉगबुक में इन सूचनाओं का दर्ज भी किया था। यह बात गोदबोले ने अपनी किताब 'अनफिनिश्ड इनिंग्स' में भी लिखी है।

किशोर कुणाल ने कहा, ₹यह जानकारी गोदबोले से सत्यापित की जा सकती है, जो अब भी जीवित हैं।₹ उन्होंने यह भी कहा कि नैयर को अपनी निष्कर्षों को सुनने-सुनाने के बजाय संबंधित व्यक्तियों के बयान या दस्तावेजों के आधार पर आधारित करना चाहिए था। यह आजकल सूचना अधिकार अधिनियम के तहत आसानी से उपलब्ध हो सकते हैं।

प्रणब मुखर्जी के लिए शोक सभा तक नहीं; मनमोहन सिंह के वास्ते मांग रही जमीन

- भड़कीं शर्मिष्ठा

नई दिल्ली. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के लिए अलग से स्मारक बनाने की मांग पर पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कड़ी आलोचना की है। शर्मिष्ठा ने कहा कि जब उनके पिता (प्रणब मुखर्जी) का 2020 में निधन हुआ था, तब कांग्रेस नेतृत्व ने न तो कोई शोक सभा आयोजित की और न ही कांग्रेस कार्यसमिति (CWC) की बैठक बुलाई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व ने इस मामले में उन्हें गुमराह किया था।

आपको बता दें कि डॉ. मनमोहन सिंह का निधन 92 वर्ष की आयु में 27 दिसंबर को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) में हुआ। खरगे ने प्रधानमंत्री से उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए एक स्मारक बनाने की अपील की थी।

तस्करों ने नारकोटिक्स अफसर को गोली मारी

- टोल पर बोलेरो को इनोवा से ठोंका
- डोडाचूरा पकड़ने नीमच से राजस्थान गई थी टीम

चित्तौड़गढ़. केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) की नीमच टीम ने फिल्मी अंदाज में डोडाचूरा से भरी इनोवा कार जब्त की है। इस दौरान एक आरोपी फायरिंग करते हुए भाग निकला। गोलीबारी में एक अफसर घायल हुआ है। वाहन की टक्कर से दो कर्मचारी भी घायल हुए हैं। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मामला राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के मंगलवाड़ के पास नारायणपुरा टोल प्लाजा का है। कार्रवाई शुक्रवार तड़के करीब 4:30 बजे की है। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। सीबीएन की टीम ने इनोवा कार से 345 किलो से ज्यादा डोडाचूरा जब्त किया है। बताया जा रहा है कि डोडाचूरा उदयपुर ले जाया जा रहा था। बता दें, एक महीने के अंदर नारकोटिक्स की टीम पर डोडाचूरा तस्करों ने दूसरी बार हमला किया है। इससे पहले चित्तौड़गढ़-बारां हाईवे पर कोटा हैंगिंग ब्रिज (राजस्थान) के पास तस्करों ने पिकअप वाहन से जावरा सेल की टीम की गाड़ी को टक्कर मारी थी।

मेलबर्न टेस्ट का तीसरा दिन

नीतीश की पहली सेंचुरी

- वॉशिंगटन के साथ 8वें विकेट के लिए 127 रन जोड़े
- भारत को फॉलोऑन से बचाया

नीतीश रेड्डी के शतक के दम पर भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वापसी कर ली है। एक समय उस पर फॉलोऑन खेलने का खतरा मंडरा रहा था। फिलहाल, टीम 116 रन से पीछे है। भारत ने मेलबर्न में शनिवार को तीसरे दिन स्टंप्स तक पहली पारी में 9 विकेट पर 358 रन बनाए। नीतीश रेड्डी 105 और मोहम्मद सिराज 2 रन पर नाबाद हैं।

इंडिया ने सुबह 164/5 के स्कोर से खेलना शुरू किया था। ऋषभ पंत ने 6 और रवींद्र जडेजा ने 4 रन से अपनी-अपनी पारी को आगे बढ़ाया। पहले सेशन में पंत 28 और रवींद्र जडेजा 17 रन बनाकर आउट हुए। तब टीम इंडिया का स्कोर 221/7 था। यहां से नीतीश रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर ने 8वें विकेट के लिए 285 बॉल पर 127 रन की साझेदारी करके फॉलोऑन टाला। सुंदर 162 बॉल पर 50 रन बनाकर आउट हुए।

ऑस्ट्रेलिया से पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 3-3 विकेट झटके। नाथन लायन को 2 विकेट मिले। एक दिन पहले शुक्रवार, 27 दिसंबर को ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 474 रन बनाए थे।

दोनों टीमें...

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, नीतीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

ऑस्ट्रेलिया: पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन और स्कॉट बोलैंड।

AAP की महिला सम्मान योजना की जांच होगी

- दिल्ली LG बोले- नागरिकों की निजी जानकारी जुटा रहे
- कानून तोड़ने वालों पर पुलिस एक्शन ले

नई दिल्ली. दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (AAP) की महिला सम्मान योजना जांच के घेरे में आ गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 12 दिसंबर को हर महिला को 1000 रुपए देने का ऐलान किया था। इस पर विवाद जारी है।

दिल्ली के उपराज्यपाल (LG) वीके सक्सेना ने शनिवार को दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी और पुलिस कमिश्नर को इस योजना को लेकर चिट्ठी लिखी। इसमें कहा गया कि, वे ऐसे लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करें जो लाभ देने की आड़ में भोले-भाले नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी इकट्ठा करके उनकी गोपनीयता का उल्लंघन कर रहे हैं।

केजरीवाल ने 12 दिसंबर को महिलाओं को हर महीने ₹1000 रुपए देने का ऐलान किया। इसे महिला सम्मान योजना नाम दिया गया है। 18 साल की उम्र पूरी करने वाली हर महिला इस स्कीम के दायरे में आएगी। केजरीवाल ने यह भी कहा कि चुनाव बाद महिलाओं को हर महीने मिलने वाली रकम को बढ़ाकर ₹2100 कर दिया जाएगा।

रिश्वत के खेल में ED अधिकारी ने CBI को दिया चकमा

ठिकानों से बरामद हुए लाखों रुपये

शिमला. शिमला में तैनात प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक असिस्टेंट डायरेक्टर पर रिश्वतखोरी का गंभीर आरोप लगा है। सीबीआई ने अधिकारी के घर और अन्य ठिकानों पर छापेमारी कर एक करोड़ से अधिक नकदी बरामद की है, जिसमें से 54 लाख रुपये रिश्वत की रकम है। यह रकम एक शिकायतकर्ता द्वारा अधिकारी को दी गई थी।

रिश्वत लेते हुए सीबीआई ने बिछाया जाल

सीबीआई के अनुसार, 22 नवंबर को फरार अधिकारी ने शिकायतकर्ता को चंडीगढ़ के एक स्थान पर रिश्वत की रकम के साथ बुलाया। लेकिन जब अधिकारी ने वहां सीबीआई टीम को देखा, तो वह जल्दबाजी में कुछ रकम लेकर अपनी कार में भाग निकला। फरार होने के दौरान उसने कई गाड़ियों को टक्कर मारी। सीबीआई ने मौके पर 54 लाख रुपये नकद बरामद किया।

छापेमारी में एक करोड़ से अधिक बरामद

22 से 25 दिसंबर के बीच शिमला स्थित उनके घर और अन्य स्थानों पर छापेमारी में 56.5 लाख नकद और बरामद किए गए। इसके साथ ही अधिकारी के भाई को भी गिरफ्तार किया गया है, जो एक बैंक में मैनेजर है। सीबीआई का दावा है कि अधिकारी का भाई इस रैकेट में शामिल था और रिश्वत की रकम इकट्ठा करने में मदद करता था।

अधिकारी पर कार्रवाई

ईडी के अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने इस मामले की जानकारी 24 नवंबर को ईडी को दी। इसके बाद ईडी ने उस अधिकारी और उनके पर्यवेक्षक को तुरंत ट्रांसफर कर दिया और अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की। अधिकारी को उनके मूल विभाग, सेंट्रल बोर्ड ऑफ इंडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) में वापस भेजने की प्रक्रिया भी चल रही है।

आम सूचना

मैं श्री मनोहर अनंत विशे सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, एमआयडीसी रोड, धोबीघाट, शिवनेरी नगर, बिर्ला मंदिर के आगे, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 03एओ014013200(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री अनंत शिवराम विशे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट 26.12.2024 सी.नं. 5795/2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मनोहर अनंत विशे

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती बागी मोतीराम गंगवानी सभी को सूचित कर रही हूं कि मेरे पति श्री. मोतीराम कसारोमल गंगवानी का देहांत 21 नवंबर 2023 को हो गया है. उनके नाम पर ऑटो रिक्शा नं. एमएच05 सीजी 5726 है और परमिट नं. 1099/यूएनआर जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है.

उपरोक्त ऑटो रिक्शा पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित के 14 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा रिक्शा नं. एमएच05 सीजी 5726 मेरे श्रीमती बागी मोतीराम गंगवानी के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

श्रीमती बागी मोतीराम गंगवानी
सीमा अपार्टमेंट, सी विंग, तीसरा माला,
फ्लैट नं. 17, उल्हासनगर-2.

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

1.50 लाख के आभूषण ले गए चोर

भिवंडी. नारपोली पुलिस स्टेशन हद कशेली गांव स्थित एक फ्लैट में सेंधमारी कर चोरों ने 1 लाख 58 हजार 500 रुपये के सोने के आभूषण चुरा कर रफूचक्कर हो गए.

पुलिस के अनुसार, कशेली स्थित सदगुर कृपा सोसायटी की तीसरी मंजिल निवासी निलेश अनिल देवरुखकर कार्यवश एक सप्ताह के घर में ताला बंद कर बाहर गए हुए थे. इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके फ्लैट में घुसकर बेडरूम की अलमारी के लॉकर में रखे सोने के आभूषण लेकर चंपत हो गए.

नारपोली पुलिस चोरी मामले की जांच कर रही है. उक्त घटना से क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर दहशत फैली है.

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष को लेकर बढ़ा सस्पेंस

प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में आगे रवींद्र चव्हाण को बनाया संगठन चुनावों का प्रभारी

मुंबई: महाराष्ट्र में बीजेपी ने एक बार फिर चौंका दिया है। विधानसभा चुनावों में महायुति की प्रचंड जीत के बाद देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाल चुके हैं। उनके मंत्रिमंडल में जब रवींद्र चव्हाण को जगह नहीं मिली थी तो या माना गया था कि वे बीजेपी के अगले प्रदेश अध्यक्ष हो सकते हैं क्यों मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले फडणवीस सरकार में मंत्री बन गए हैं लेकिन बीजेपी ने चौंकाते हुए चव्हाण को प्रदेश संगठन चुनावों का प्रभारी नियुक्त कर दिया गया है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि वह नए प्रदेश अध्यक्ष नहीं होंगे। चव्हाण के रेस से बाहर होने के बाद चर्चा शुरू हो गई है कि महाराष्ट्र में महाविजय के साथ सत्ता में लौटी बीजेपी की कमान कौन संभालेगा?

क्या बोले-रवींद्र चव्हाण?

रवींद्र चव्हाण मुंबई की डोंबिवली सीट से विधायक हैं। पिछली सरकार में वह लोक निर्माण मंत्री थे। देवेंद्र फडणवीस सरकार में जगह नहीं मिलने के बाद वह प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी के लिए फ्रंट रनर के तौर पर देखे जा रहे थे। महाराष्ट्र में संगठन चुनावों के लिए प्रभारी नियुक्त जाने पर रवींद्र चव्हाण ने नेतृत्व का आभार

व्यक्त किया है कि बीजेपी महाराष्ट्र प्रदेश संगठन पर्व प्रदेश द्वारा मुझे प्रभारी नियुक्त करने के लिए हमारे नेता भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष माननीय चन्द्रशेखर बावनकुले एवं राज्य के मुख्यमंत्री माननीय देवेन्द्र फडणवीस का धन्यवाद। आपने मुझ पर विश्वास दिखाया है और क्षेत्रीय प्रभारी पद का महत्वपूर्ण अवसर दिया है, उस पर मैं खरा उतरूंगा।

राजेश पांडे को बड़ी जिम्मेदारी

महाराष्ट्र बीजेपी के महासचिव राजेश पांडे को पार्टी ने सक्रिय सदस्यता अभियान के लिए प्रमुख नियुक्त किया है। इसके साथ प्रविण घुगे को सह प्रमुख नियुक्त किया है। महाराष्ट्र के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। उन्हें राजस्व विभाग दिया गया है। बावनकुले से पहले चंद्रकात दादा पाटिल प्रदेश अध्यक्ष थे। इससे पहले राव साहेब दानवे के पास यह जिम्मेदारी थी। महाराष्ट्र के मौजूदा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। वह अप्रैल, 2013 से जनवरी, 2015 तक इस पद रहे हैं। इससे पहले सुधीर सुधीर मुनगंटीवार और नितिन गडकरी राज्य बीजेपी के अध्यक्ष थे। सुधीर मुनगंटीवार को भी मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। महाराष्ट्र में प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी ओबीसी या फिर मराठा को मिलने की उम्मीद है।

डॉ. मनमोहन सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित

मुंबई. महाराष्ट्र प्रदेश काँग्रेस कमिटी के मुख्य कार्यालय तिलक भवन दादर में कोषाध्यक्ष डॉ अमरजीतसिंह मनहास ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया. इस अवसर पर प्रदेश महासचिव राजेश शर्मा, राजन भोसले, मुनाफ हकिम ने भी अर्थशास्त्री डॉ मनमोहन सिंह को नमन किया. इस मौके पर पूर्व विधायक सुभाष चव्हाण, नामदेव चव्हाण, दत्ता नांदे, राघवेंद्र शुक्ला, मिलिंद केसरकर, जमिनदार यादव, श्रीरंग बर्गे, पुनम आर्य और पदाधिकारीयों ने दिवंगत प्रधानमंत्री के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया.

अवैध घुसपैठ के खिलाफ एक्शन शुरू, 16 बांग्लादेशी गिरफ्तार

मुंबई. महाराष्ट्र पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (ATS) ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने और वैध दस्तावेजों के बिना रहने के आरोप में 6 महिलाओं सहित 16 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया. अधिकारियों ने बताया कि एटीएस द्वारा शुरू किए गए एक विशेष अभियान के दौरान ये गिरफ्तारियां की गईं. महाराष्ट्र पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'नवी मुंबई, ठाणे और सोलापुर में पुलिस की मदद से पिछले 24 घंटों में कार्रवाई की गई. हमने बांग्लादेशी से भारत में अवैश प्रवेश करने वाले 7 पुरुषों और 6 महिलाओं को गिरफ्तार किया है. उन पर विदेशी अधिनियम और अन्य संबंधित कानूनों के तहत तीन मामले दर्ज किए गए हैं.'

अधिकारी ने कहा, 'ये बांग्लादेशी नागरिक जाली दस्तावेजों का उपयोग करके आधार कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज प्राप्त करने में कामयाब रहे थे.' एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि एटीएस और पुलिस के एक संयुक्त दस्ते ने शुक्रवार रात जालना जिले से 3 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया. आरोपी भोकरदन तालुका में क्रशर मशीनों पर काम कर रहे थे. एटीएस और स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान में इन्हें अनवा और कुंभारी गांवों से गिरफ्तार किया गया.

प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि तीनों ने भारत में अवैध रूप से काम करने के लिए अपने पहचान पत्र में फर्जीवाड़ा किया. पुलिस अधिकारी ने कहा, वे पिछले दो साल से अवैध रूप से रह रहे थे. उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और विदेशी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. हाल ही में समाप्त हुए महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अवैध रूप से भारत में रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर सरकार का रुख साफ किया था. उन्होंने कहा था कि महाराष्ट्र में रोहिंग्याओं और अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई शुरू की जाएगी.

3 बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

भिवंडी. पुलिस प्रशासन के सख्त आदेश पर भिवंडी में अवैध रूप से घुसपैठ कर रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों की तलाश पुलिस ने तेज कर दी है. कोनगांव क्षेत्र में पुलिस ने 3 बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया.

पुलिस के अनुसार, कोनगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्र दुर्गा अपार्टमेंट और धर्मा निवास नामक इमारत में कुछ बांग्लादेशी नागरिकों के रहने की सूचना मिली थी. समुचित जांच के बाद पुलिस ने शहनाज नजुल्ला शेख (36), सोनी फिरोज शेख (34), और रहीमा शाहीद खान (36) को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार महिलाओं के पास भारत में वैध रहने के लिए कोई कानूनी दस्तावेज नहीं मिले. पुलिस ने भारतीय सीमा में अवैध घुसपैठ और अनधिकृत रूप से निवास करने के आरोप में मामला दर्ज किया है.

अंबरनाथ में आयोजित अखिल महाराष्ट्र उर्दू भाषण प्रतियोगिता में रईस हाई स्कूल प्रथम

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. नेशनल उर्दू हाई स्कूल अंबरनाथ ज़िला ठाणे में अखिल महाराष्ट्र उर्दू भाषण प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया. मालेगांव, धुलिया, नासिक, पुणे, मुंबई, ठाणे,कल्याण ,मुंब्रा,भिवंडी आदि से छात्र वक्ता शामिल हुए. प्रतियोगिता में 40 स्कूलों के 80 छात्रों

छात्राओं ने भाग लिया. भिवंडी शहर के सरदार हाजी अमीर साहिब रईस हाईस्कूल एंड जूनियर कॉलेज के सातवीं कक्षा के छात्र मोमिन अशबर एजाज ने भाग लिया और 'किरदार के ग़ाज़ी' विषय पर एक

आकर्षक और भावपूर्ण भाषण प्रस्तुत किया. निर्णायक मंडल द्वारा मोमिन अशबर एजाज को प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित किया गया तथा शानदार भाषण प्रस्तुती के लिए सर्वश्रेष्ठ वक्ता की ट्रॉफी भी प्रदान की गयी. छात्र का मार्गदर्शन अंसारी मुहम्मद कामिल मुहम्मद सालिक सर ने किया था. केएमई सोसायटी के अध्यक्ष अलमाज फकीह, प्रधानाचार्य जियाउर रहमान अंसारी, उपप्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी, वाईसीएमओयू अध्ययन केंद्र समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी एवं समस्त स्टाफ सदस्यों ने पुरस्कृत छात्र अशबर एजाज और मार्गदर्शक शिक्षक मुहम्मद कामिल अंसारी को उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बधाई दी.

श्री अयप्पा स्वामी महापूजा महोत्सव संपन्न

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. स्वामी अय्यप्पा सेवा समिति भिवंडी द्वारा वराल देवी मंदिर परिसर स्थित श्री अय्यप्पा स्वामी मंदिर में 43वीं महापूजा का आयोजन धूमधाम, भक्तिमय परिवेश में किया गया.

स्वामी अय्यप्पा सेवा समिति संस्थापक अध्यक्ष पूर्व वरिष्ठ पार्षद संतोष शेट्टी और धर्माचार्य सुरेश गुरुस्वामी के नेतृत्व में समूचे दिवस पूजा-अर्चना, हवन सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठानों को भक्तों द्वारा भक्ति भाव से अंजाम दिया गया. भक्तों ने सुबह से ही मंदिर में पूजा-अर्चना में भाग लिया. श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया था. मनपा वरिष्ठ पार्षद संतोष शेट्टी की अगुवाई में शाम को स्वामी अय्यप्पा मंदिर से बराला देवी मंदिर तक भव्य पालखी निकाल कर पूजा की गई. रात्रि में उत्तर उडुपी प्रांत की प्रसिद्ध यक्षगान सांस्कृतिक प्रस्तुति के हुए आयोजन ने दर्शकों का मन मोह लिया. धार्मिक महोत्सव को सफल बनाने के लिए स्वामी अय्यप्पा सेवा समिति के तमाम सदस्यों ने कड़ी मेहनत की.

एसएसटी महाविद्यालय की डीएलएलई यूनिट द्वारा

दिव्यांग और अनाथ बच्चों के साथ मनाया गया क्रिसमस

उल्हासनगर. एसएसटी महाविद्यालय की डीएलएलई यूनिट हमेशा ही छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी और सौहार्द की भावना बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार की पहल करती है। इस परंपरा को कायम रखते हुए, इस वर्ष भी यूनिट ने विकास गतिमंद विद्यालय और बाल विकास केंद्र के दिव्यांग और अनाथ बच्चों के साथ क्रिसमस और नववर्ष का स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान, महाविद्यालय के स्वयंसेवी छात्रों ने बच्चों को चॉकलेट, खाद्य सामग्री और उपहार वितरित किए। सांता क्लॉज की उपस्थिति में बच्चों ने गाने गाए और नृत्य करके अपनी खुशी जाहिर की। इस अवसर पर डीएलएलई यूनिट के ठाणे जिला समन्वयक प्रो. दिलीप आहूजा, प्रो. नम्रता सिंह, प्रो. स्नेहा गुप्ता के साथ पूर्व छात्र और स्वयंसेवी छात्रों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज की।

यह पहल महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी और आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस प्रयास ने अनाथ और दिव्यांग बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने की कोशिश की और क्रिसमस व नववर्ष का सच्चा संदेश दिया।

खिलाड़ी करें भिवंडी का नाम रोशन- नीलेश चौधरी

'धर्मराजा चषक 2024' का भव्य आयोजन

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के युवा खिलाड़ियों की क्रिकेट खेल प्रतिभा को निखारने की खातिर 'धर्मराजा चषक' की शुरुआत की गई है. क्रिकेट खिलाड़ी कड़ी मेहनत एवं उत्कृष्ट खेल प्रतिभा के दम पर राष्ट्रीय टीमों में भाग लेकर भिवंडी शहर का नाम देश में रोशन करेंगे.उक्त उद्गार 'धर्मराजा' ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष

एवं भिवंडी मनपा पूर्व वरिष्ठ पार्षद नीलेश चौधरी ने वन्हाला देवी स्पोर्ट्स ताड़ाली द्वारा ठाकरचा पाड़ा खेल नगरी में आयोजित 'धर्मराजा चषक 2024' उद्घाटन मौके पर व्यक्त किया. उक्त अवसर पर पूर्व नगरसेवक हनुमान चौधरी, समाजसेवी नितेश एंकर, विराज पवार, मयूर चौधरी, नितिन बजागे, एड कल्पेश ठाकुर सहित तमाम गणमान्य नागरिक एवं भारी संख्या में क्रिकेट खेल प्रेमी मौजूद थे.

गौरतलब हो कि, भिवंडी मनपा पूर्व वरिष्ठ पार्षद नीलेश चौधरी के कुशल नेतृत्व में कामतघर ताड़ाली स्थित ठाकरचा पाड़ा क्रीड़ा नगरी में वन्हाला देवी स्पोर्ट्स द्वारा निरंतर चौथे वर्ष 'धर्मराजा चषक 2024' क्रिकेट मैच का भव्य आयोजन किया गया है. मनपा पूर्व पार्षद नीलेश चौधरी ने क्रिकेट खेल का उद्घाटन करते हुए खिलाड़ियों को जीत की शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की. 5 दिवसीय धर्मराजा चषक 2024 की क्रिकेट प्रतियोगिता में कुल 48 टीमें भाग ले रही हैं.30 दिसंबर को गणमान्य हस्तियों की मौजूदगी में खिलाड़ियों सहित विजेता टीम को पुरस्कार वितरण कर खेल का समापन होगा.

केंद्रीय मंत्री पियूष गोयल ने पत्रकार अमित मिश्रा को किया सम्मानित

मुंबई. भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी सम्मान सप्ताह के दौरान कांदिवली स्थित, स्वर्गीय प्रमोद महाजन क्रीडांगण में आयोजित "अटल खेल महोत्सव" के दौरान केंद्रीय मंत्री पियूष गोयल ने वरिष्ठ पत्रकार- लेखक अमित मिश्रा को सम्मानित किया।

इस अवसर पर उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद जनसेवक गोपाल शेट्टी, बोरीवली विधानसभा के विधायक संजय उपाध्याय, पोईसर जिमखाना के उपाध्यक्ष करुणाकर शेट्टी एवं अन्य पदाधिकारी तथा भारी संख्या में विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ी, कोच , कार्यकर्ता तथा नागरिक उपस्थित रहे।

शराब पीने वाले 200 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई

नव वर्ष के जश्न के दौरान विभाग की वायुबेग टीम की निगरानी

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. नशे में धूर्त होकर गाड़ी चलाना दुर्घटना को निमंत्रण देता है।इसके बावजूद भी तमाम वाहन चालक शराब के नशे में धूर्त होकर लापरवाही से वाहन चलाते हैं।इस पर लगाम लगाने के लिए ठाणे प्रादेशिक परिवहन विभाग ने

सावधानी बरत रही है। विभाग की वायु बेग स्पीड टीम ने सितंबर से दिसंबर तक के चार महीनों के दौरान ड्रंक एंड ड्राइव निरीक्षण अभियान में लगभग 200 वाहन चालकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई कीया है।बड़ी संख्या में वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते नजर आते हैं। कई बार ऐसे वाहन चालकों के कारण बड़ी दुर्घटना होती है।यातायात नियमों के अनुसार शराब पीकर गाड़ी चलाना नियम के विपरीत है।लेकिन वाहन चालक इन नियमों का अनदेखा कर रहे हैं। ठाणे प्रादेशिक परिवहन विभाग शराबी वाहन चालकों से निपटने के लिए पूर्ण रूप से सतर्क है और विभाग ने एक विशेष ड्रंक एंड ड्राइव निरीक्षण अभियान की योजना बनाई है।ठाणे प्रादेशिक परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल ने बताया कि पिछले चार माह में 200 वाहन चालकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई

> **नव वर्ष के स्वागत की तैयारियां हर जगह जोर शोर से होगी।इसलिए जगह-जगह जश्न के कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे. इस दौरान किसी भी चालक को शराब पीकर गाड़ी नहीं चलानी चाहिए. प्रादेशिक परिवहन विभाग की वायुवेग टीम ऐसे स्थानों पर गश्त कर रही है और शराब के नशे में गाड़ी चलाते पाए जाने पर कड़क कार्रवाई की जाएगी.**
>
> **-हेमांगिनी पाटिल** (ठाणे प्रादेशिक परिवहन अधिकारी ठाणे)

है।ठाणे शहर के साथ-साथ भिवंडी और मीरा भायंदर शहर में विभाग की वायुबेग टीम कार्रवाई कर रही है। दोपहिया वाहन, कार, बस, ट्रक, मालवाहक वाहन आदि के चालकों की जांच की जा रही है। सितंबर माह में 37, अक्टूबर 21, नवंबर 33 और दिसंबर में 79 वाहन चालकों की शराब पीकर गाड़ी चलाने की जांच की गई है।

आम सूचना

मैं श्री राजेश इंदरलाल वैतियाणी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 360 चौ.फुट, रुम नं. 5, बैरक नं. 424 के पीछे का भाग, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 15एआय015692600(पार्ट) उक्त प्रॉपर्टी श्री श्याम बचूमल पंजवाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट 17.5.2019 सी.नं. 284/19 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री राजेश इंदरलाल वैतियाणी

राजामौली की फिल्म से कमबैक करेंगी प्रियंका चोपड़ा

अफ्रीकन जंगल एडवेंचर में महेश बाबू के साथ नजर आएंगी

अप्रैल 2025 से शुरू होगी शूटिंग

प्रियंका चोपड़ा बीते लंबे समय से इंडियन सिनेमा में कमबैक का इंतजार कर रही हैं। कुछ समय पहले प्रियंका फरहान अख्तर की फिल्म जी ले जरा से कमबैक करने वाली थीं, हालांकि अब ये फिल्म बंद होती नजर आ रही है। इसी बीच प्रियंका ने एस एस राजामौली की अपकमिंग तेलुगु फिल्म साइन कर ली है।

ये फिल्म अफ्रीकी जंगल एडवेंचर पर आधारित होने वाली है, हालांकि अब तक इसका टाइटल तय नहीं किया गया है। फिल्म में महेश बाबू एक रिसर्चर की भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में आई पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, बाहुबली और आरआरआर की कामयाबी के बाद एस एस राजामौली महाकाव्य पर फिल्म बना रहे हैं। मेकर्स ने फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार कर ली है। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल 2025 से

शुरू करेंगी, वहीं महेश बाबू के साथ फिल्म 2026 में फिलमाई जाएगी।

फिल्म की शूटिंग भारत के अलावा अमेरिका और अफ्रीका के जंगलों में भी होने वाली है। इस फिल्म को 2027 में रिलीज करने की तैयारी है।

पैन इंडिया फिल्म से कमबैक करेंगी प्रियंका

रिपोर्ट के अनुसार ये तेलुगु फिल्म पैन इंडिया होने वाली है, जिसे हिंदी, तमिल, मलयाली और कन्नड़ भाषा में भी रिलीज किया जाएगा। फिल्म के लिए एस एस राजामौली ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में थे, जो ग्लोबली पहचान रखती हों। बीते 5-6 महीने में उन्होंने कई बार प्रियंका से मुलाकात की और उनका नाम फाइनल किया। इस फिल्म को ग्लोबल लेवल तक पहुंचाने के लिए डिज्नी और सोनी पिक्चर्स जैसे बड़े स्टूडियोज से बात जारी है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099